रहूं खुमारी में | By Rajesh Dhingra

मैं ओढ़ के तेरा नाम दिन रात खुमारी में
मेरी बीत जाए उमरिया, तेरे इश्क़ की खुमारी में

मैं बन जाऊं ज्यूँ दास कबीर
तेरी शान में सजदा गाऊं
इतना रुदू तेरे नाम में मैं
अपनी सुध बुध बिसराऊँ
अपनी सुध बुध बिसराऊँ
अपनी सुध बुध बिसराऊँ

मेरा तो कोई भी नाम ना हो
अपनी कोई पहचान ना हो
तेरे नाम से जाने लोग मुझे
दीवाना तेरा कहलाऊँ
दीवाना तेरा कहलाऊँ
दीवाना तेरा कहलाऊँ

ना दु:ख की कोई पीड़ा लगे
ना सुख का कोई एहसास हो
हर हाल में मैं रहूं समान
पल पल में तेरा आभास हो
पल पल में तेरा आभास हो
पल पल में तेरा आभास हो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a4%b9%e0%a5%82%e0%a4%82-%e0%a4%96%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-rajesh-dhingra/